और उनका आयात करने की क्या प्रक्रिया है ;

(ख) क्या नई आयात नीति के आगमन से फिल्मों की पहले से चली आ रही आयात प्रक्रिया के प्रभावित होने की संभावना है ; यदि हां, तो इस आयात-नीति का भावी स्वरूप क्या होगा ; और

(ग) इसका हमारे फिल्म उद्योग पर क्या प्रभाव पड़ने की संभावना है ?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय में उप मंत्री (कुमारी गिरिजा व्यास) : (क) आयात करने वाली विभिन्न एजेंसियों द्वारा राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम के माध्यम से गत तीन वर्षों के दौरान आयात की गई फिल्मों की संख्या इस प्रकार है:-

आयातकर्ता एजेंसी	1989-90	1990-91	1991-92
एम०पी०ई०ए०ए०	62	58	39
निजी भारतीय पार्टियां . . .	26	26	9
सोवेक्सपोर्ट फिल्म	3	2	1
अनिवासी भारतीय . . .	21	22	3
रा०फि०वि०नि०	62	33	21

फिल्मों का आयात 21 जनवरी, 1988 की फिल्म आयात नीति के प्रावधान के अनुसार किया गया था।

(ख) फीचर फिल्मों के आयात का 1-4-92 से विसरणीकरण (डीकैनलाइज्ड) कर दिया गया है। तथापि विसरणीकरण (डीकैनलाइज्ड) किये जाने के फलस्वरूप फीचर फिल्मों के आयात के लिये प्रक्रिया को सरकार द्वारा अंतिम रूप दिया जा रहा है और इसे शीघ्र अधिसूचित किये जाने की संभावना है।

(ग) देश के फिल्म उद्योग के हितों की रक्षा के लिये सभी सावधानियां बरती जा रही हैं। केवल अच्छी और सौन्दर्यपरक फिल्मों के आयात की अनुमति दी जायेगी, जैसा कि 21 जनवरी, 1988 की फिल्म आयात नीति में परिकल्पना की गई है।

सबसे अधिक लोकप्रिय दूरदर्शन धारावाहिक

217. श्री शंकर दयाल सिंह : क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत तीन वर्षों के दौरान दूरदर्शन पर प्रसारित होने वाले ऐसे पांच धारावाहियों के नाम क्या हैं जिन्हें सबसे अधिक लोकप्रियता प्राप्त हुई और जिससे सरकार को आय भी हुई ; और

(ख) इन पांच धारावाहियों से सरकार को होने वाली आय का ब्यौरा क्या है ?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय में उप मंत्री (कुमारी गिरिजा व्यास) : (क) और (ख) ब्यौरा इस प्रकार से है:—

(रुपये)

धारावाहिक का नाम	प्राप्त राजस्व
1. महाभारत	59,75 00,000
2. सोर्ड आफ टीपू सुलतान	19 54,55 000
3. चाणक्य	12,44,75,000
4. गुल गुलशन गुलफाम	9:13,60,000
5. मृगनयनी	6,52,85,000

भारत में टेलीविजन पर पाकिस्तान टेलीविजन के कार्यक्रमों का साफ दिखाई देना

218. **डा० बापू कालदाते** : क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंग कि :

(क) क्या यह सच है कि गत में नौ बजे के पश्चात् भारत में टेलीविजन पर पाकिस्तान टेलीविजन-2 के कार्यक्रम बहुत ही साफ दिखाई देने लगे है ;

(ख) क्या सरकार ने इस स्थिति का कोई अध्ययन किया है ;

(ग) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ; और

(घ) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय में उप मंत्री (कुमारी गिरिजा व्यास) : (क) से (घ) सरकार को पाकिस्तान टी०वी० के चेनल–2 से देश के कई सीमावर्ती भागों में सिग्नल प्राप्त होने की जानकारी है । यद्यपि, इस संबध में कोई विशिष्ट अध्ययन नहीं किया गया है, फिर भी दूरदर्शन ने पाकिस्तान के साथ लगने वाले हमारे सीमावर्ती क्षेत्रों में दूरदर्शन कवरेज को सुदृढ़ करने के लिये कदम उठाये हैं ।

दूरदर्शन की सी०एस०वी० चैनल

219. **डा0 बापू कालदाते** : क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार दूरदर्शन का सी०एस०वी० चैनल शुरू करने का विचार रखती है ;

(ख) यदि हां, तो इस चैनल के कब तक शुरू हो जाने की सभावना है; और

(ग) इस चैनल की प्रसारण अवधि कितनी होगी ?

सूचना और प्रसारण मत्रालय में उप मंत्री (कुमारी गिरिजा व्यास) : (क) यह पता नहीं चलता कि "सी० एस०वी० चैनल" से माननीय सदस्य का आशय क्या है ।

(ख) और (ग) ये सवाल पैदा ही नहीं होते ।